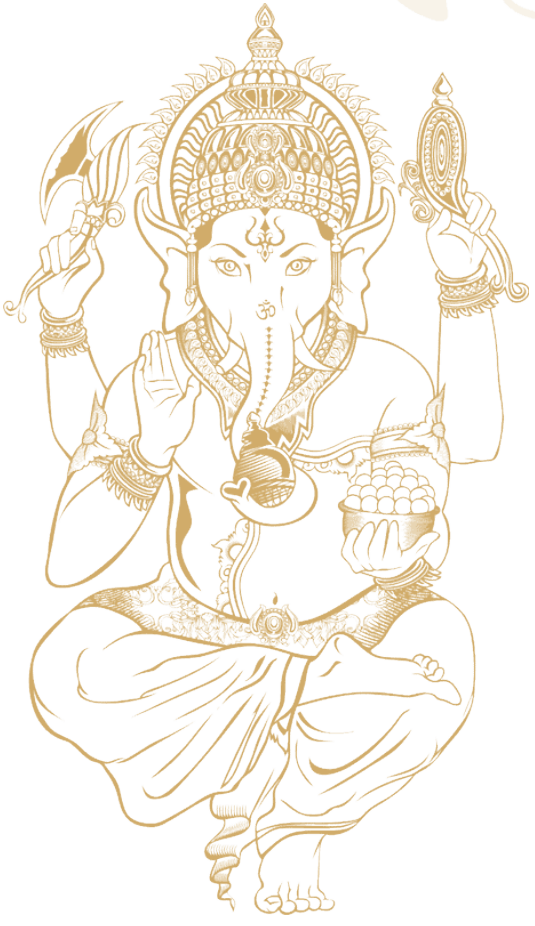

Mr.Risik

20 Aug 2021

03:25 PM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 119000804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/08/2021**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:25:00 घंटे**
इष्ट	24:21:27 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:18:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:24 घंटे
साम्पातिक काल	13:14:26 घंटे
सूर्योदय	05:40:25 घंटे
सूर्यास्त	18:38:33 घंटे
दिनमान	12:58:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:27:05 सिंह
लग्न के अंश	11:21:42 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	आयुष्मान
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:21:42	340:03:33	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			सिंह	03:27:05	00:57:44	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	06:29:36	14:03:55	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	19:27:08	00:38:06	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			सिंह	20:45:47	01:39:09	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	03:01:16	00:07:52	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
शुक्र			कन्या	10:50:08	01:10:41	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	नीच राशि
शनि	व		मक	14:42:57	00:04:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	स्वराशि
राहु	व		वृष	13:13:15	00:08:12	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	13:13:15	00:08:12	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	20:38:16	00:00:01	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		कुंभ	28:17:31	00:01:28	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो	व		मक	00:39:15	00:01:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कन्या	25:59:47	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:19

लग्न-चलित

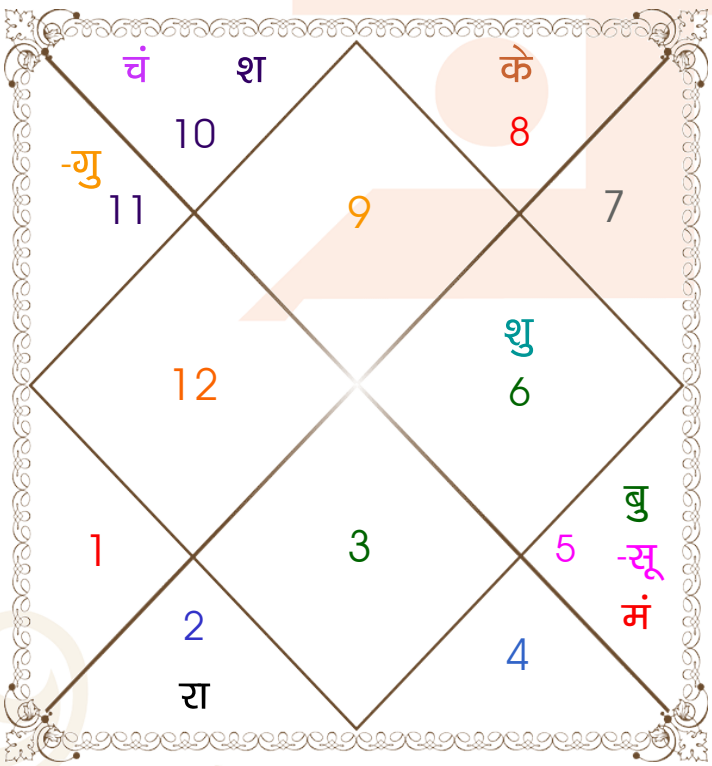

चन्द्र कुंडली

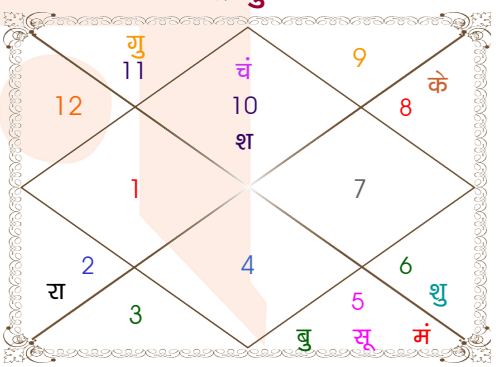

नवमांश कुंडली

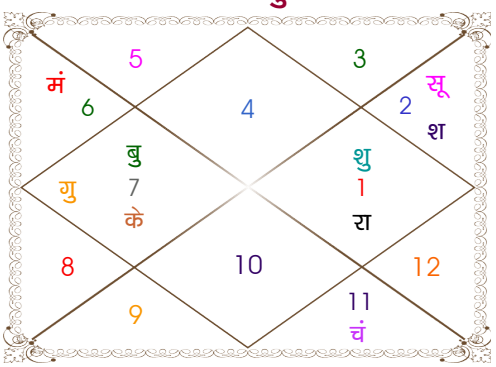

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 6 मास 28 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/08/2021		20/03/2023		19/03/2033		19/03/2040		19/03/2058	
20/03/2023		19/03/2033		19/03/2040		19/03/2058		19/03/2074	
	00/00/0000	चंद्र	18/01/2024	मंगल	15/08/2033	राहु	30/11/2042	गुरु	06/05/2060
	00/00/0000	मंगल	18/08/2024	राहु	03/09/2034	गुरु	25/04/2045	शनि	18/11/2062
	00/00/0000	राहु	17/02/2026	गुरु	10/08/2035	शनि	01/03/2048	बुध	23/02/2065
	00/00/0000	गुरु	19/06/2027	शनि	17/09/2036	बुध	18/09/2050	केतु	30/01/2066
	00/00/0000	शनि	17/01/2029	बुध	15/09/2037	केतु	06/10/2051	शुक्र	30/09/2068
	20/08/2021	बुध	19/06/2030	केतु	11/02/2038	शुक्र	06/10/2054	सूर्य	19/07/2069
बुध	11/11/2021	केतु	18/01/2031	शुक्र	13/04/2039	सूर्य	31/08/2055	चंद्र	18/11/2070
केतु	19/03/2022	शुक्र	17/09/2032	सूर्य	19/08/2039	चंद्र	01/03/2057	मंगल	25/10/2071
शुक्र	20/03/2023	सूर्य	19/03/2033	चंद्र	19/03/2040	मंगल	19/03/2058	राहु	19/03/2074

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/03/2074		19/03/2093		20/03/2110		20/03/2117		20/03/2137	
19/03/2093		20/03/2110		20/03/2117		20/03/2137		00/00/0000	
शनि	22/03/2077	बुध	16/08/2095	केतु	16/08/2110	शुक्र	20/07/2120	सूर्य	08/07/2137
बुध	30/11/2079	केतु	12/08/2096	शुक्र	17/10/2111	सूर्य	20/07/2121	चंद्र	06/01/2138
केतु	08/01/2081	शुक्र	13/06/2099	सूर्य	21/02/2112	चंद्र	21/03/2123	मंगल	14/05/2138
शुक्र	10/03/2084	सूर्य	19/04/2100	चंद्र	21/09/2112	मंगल	20/05/2124	राहु	08/04/2139
सूर्य	20/02/2085	चंद्र	19/09/2101	मंगल	18/02/2113	राहु	20/05/2127	गुरु	25/01/2140
चंद्र	21/09/2086	मंगल	16/09/2102	राहु	08/03/2114	गुरु	18/01/2130	शनि	06/01/2141
मंगल	31/10/2087	राहु	04/04/2105	गुरु	12/02/2115	शनि	20/03/2133	बुध	21/08/2141
राहु	06/09/2090	गुरु	11/07/2107	शनि	23/03/2116	बुध	19/01/2136		00/00/0000
गुरु	19/03/2093	शनि	20/03/2110	बुध	20/03/2117	केतु	20/03/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 6 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।